Test – 1

Mentorship Program

drishti

Drishti Mentorship Program Mains-2023

निबंध (ESSAY)

निर्धारित समय: 3 घंटे
Time allowed: 3 Hours

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

Name: ALKA TRIPATHI **Mobile Number:** _____

Medium (English/Hindi): Hindi **Email:** _____

Center & Date: Delhi, 24 June 2023 **UPSC Roll No.:** 0026490

प्रश्नपत्र संबंधी विशेष अनुदेश

(प्रश्नों के उत्तर देने से पहले निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को कृपया ध्यानपूर्वक पढ़ें)

प्रवेश-पत्र में प्राधिकृत माध्यम में निबंध लिखना आवश्यक है तथा इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख उत्तर पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर करना आवश्यक है। प्राधिकृत माध्यम के अलावा अन्य माध्यम में लिखे गए उत्तरों को अंक नहीं दिये जाएंगे।

प्रश्नों के उत्तर निर्दिष्ट शब्द-संख्या के अनुसार होने चाहिये।

उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए किसी पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णत: काट दीजिये।

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

The ESSAY must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Answer Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other than the authorized one.

Word limit, as specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Answer Booklet must be clearly struck off.

	निबंध विषय संख्या (Essay Topic No.)	अंक (Marks)
खंड-A Section-A		
खंड-B Section-B		
सकल योग (Grand Total)		

मूल्यांकनकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Evaluator (Signature)

पुनरीक्षणकर्त्ता (हस्ताक्षर)
Reviewer (Signature)

drishti | दृष्टि The Vision

Feedback

1. Context Proficiency (संदर्भ दक्षता)
2. Introduction Proficiency (परिचय दक्षता)
3. Content Proficiency (विषय-वस्तु दक्षता)
4. Language/Flow (भाषा/प्रवाह)
5. Conclusion Proficiency (निष्कर्ष दक्षता)
6. Presentation Proficiency (प्रस्तुति दक्षता)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

खण्ड-A

खेल चरित्र का निर्माण नहीं करते हैं, वे इसे प्रकट करते हैं।

बचपन में मैं जब गली क्रिकेट खेलता था तो क्रिकेट की किट सिर्फ मेरे पास होने के कारण मेरे मन में एक अहंकार का भाव होता था। मैं सोचता था कि अब जो भी दुनिया है यही है जिसका मालिक मैं स्वयं हूँ। यदि मैं कभी आउट हो जाता था तो बैट, गैंद सभी वस्तुएँ लेकर भागने लगता था क्योंकि उस बालमन में भी मेरी जीतने की इच्छा प्रबलता से विद्यमान थी। इसी समय से अनजाने में ही सही परन्तु मेरा जीतने के प्रति जोश उभर कर सामने आया। जो कि मेरे व्यक्तित्व का एक भाग था।

वस्तुत: खेल व्यक्तित्व को प्रकट करने के अलावा उनके निर्माण में भी योगदान देते हैं। ~~[illegible]~~

खेल चरित्र को प्रकट कैसे करते हैं इस प्रश्न को उत्तर जानने

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

के क्रम में हमें कुछ उदाहरण देखने होंगे- हम देखते हैं कि अनेक वैश्विक प्रतियोगिताओं में खिलाड़ी प्राय: डोपिंग के मामले में दोषी पाए जाते हैं ऐसा उन्होंने क्यों किया होगा? इस बात के बारे में विचार किया जाए तो पता चलता है कि जब उन्हें अनेक प्रतियोगिताओं में हार का सामना करना पड़ा होगा तो उनके अंदर हीनता का भाव जाग्रत होने लगा होगा तथा अवैध दवाओं के सेवन से यदि उनकी जीत होने पर लोगों द्वारा प्रशंसा मिली होगी तो उनके अंदर यह भाव विकसित हुआ कि यदि छोटी-मोटी गलत गतिविधियों से इतनी प्रशंसा मिलती है तो इनको करना कोई गलत बात नहीं। इस तरह वे मेहनत की बजाए शार्टकट के रूप में गलत मार्गों का चुनाव करने लगते हैं।

यदि कोई व्यक्ति क्रिकेट जैसे खेल में रुचि रखता है या क्रिकेट का खिलाड़ी है तो उसके अंदर टीम बिल्डिंग, एकता, समन्वय, ~~[illegible]~~ जैसी विशेषताओं का निर्माण होने लगता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

खेल एक प्रकार की प्रतियोगिता है जिसके माध्यम से खिलाड़ियों में प्रतिस्पर्धा का गुण विकसित होने लगता है। कभी-कभी यह प्रतिस्पर्धा सकारात्मक होती है जो व्यक्ति को अधिक मेहनत करना सिखाती है, अपने आप को दिन-प्रतिदिन उन्नत बनाने में सहायता करती है वहीं जब यह प्रतिस्पर्धा नकारात्मक होती है तो शार्टकट, गलत रास्तों तथा अवैध दवाओं के सेवन की ओर व्यक्ति को ले जाती है।

खेल से व्यक्तियों में आत्मविश्वास की चेतना आती है जैसा कि हम देखते हैं कि प्रत्येक वर्ष आईपीएल का आयोजन होता है प्रत्येक टीम उसमें इसी आत्मविश्वास के बल पर भाग लेती है कि वह जीतने वाली है उसके खिलाड़ियों को अपने ऊपर भरोसा होता है जिसका निर्माण अभ्यास के क्रम में होता है।

योग जैसी शांतिप्रिय क्रियाओं के माध्यम से शांतचित्तता का विकास होता है। ~~स्वास्थ्य भी~~ शारीरिक रूप से भी स्वास्थ्य होने के साथ ही व्यक्तित्व में स्थिरता आने लगती है, मन शांत होने लगता है। जैसा कि

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

हम अपने दैनिक जीवन में योग के माध्यम से मानसिक तनावों के स्तर पर मुक्त होकर शांतिप्रियता की तरफ आकर्षित होने लगते हैं हमारे मन की शांति बढ़ने लगती है।

वस्तुत: खेल हमारे व्यक्तित्व के निर्माण के साथ-साथ उन्हें उजागर करने का कार्य भी करते हैं-

जब कोई कुश्ती का खिलाड़ी या पहलवान किसी के साथ कुश्ती लड़ता है तो वहाँ पर उसके साहस एवं आत्मविश्वास के दर्शन होते हैं यदि उसके व्यक्तित्व में साहस न हो तथा आत्मविश्वास से युक्त न हो तो उसे कुश्ती लड़ने में समस्या होगी। वहीं नीरज चोपड़ा जैसे खिलाड़ी द्वारा ओलंपिक में स्वर्ण पदक प्राप्त करने के बाद भी अपनी मातृभाषा में बात करना तथा उसको इतनी तवज्जो देना उनके व्यक्तित्व की सरलता का परिचायक है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले खिलाड़ी जब डोपिंग के आरोपी पाए जाते हैं तो उनकी जीतने के लिए कुछ भी करने की चाहत का पता चलता है।

युद्ध भी एक खेल की तरह है वर्तमान में चल रहे रूस-यूक्रेन युद्ध के माध्यम से न केवल रूस के साम्राज्यवादी एवं विस्तारवादी चरित्र का पता चलता है बल्कि वहाँ सीमा पर बच्चों, महिलाओं के साथ हो रहे अत्याचार से उनके गैर-मानवतावादी होने की जानकारी मिलती है।

क्रिकेट या किसी अन्य प्रतियोगिता में जब किसी अन्य टीम के अर्थात विरोधी टीम के व्यक्ति के चोटिल हो जाने पर हमारे द्वारा उनके प्रति दर्शाया गया रवैया हमारे चरित्र का परिचायक है यदि हमारे द्वारा उनकी सहायता की जाती है तो यह समझा जाता है कि हम परोपकारी हैं अन्यथा हमारा चरित्र एक स्वार्थपरायण व्यक्ति के रूप में सामने आता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

वैश्वीकरण के इस दौर में जहाँ राष्ट्रों के बीच आर्थिक प्रतिस्पर्धा का दौर चल रहा है वहीं इस दौर में किसी भी देश द्वारा अपनाई जा रही नीति उस व्यवस्था (देश के आक्रामक या शांतिप्रिय स्वरूप को दर्शाता है। अमेरिका द्वारा विभिन्न देशों पर लगाए जा रहे प्रतिबंध उसके स्वयं को श्रेष्ठ दिखाने के भाव से संबंधित हैं।

इतना ही नहीं किसी भी देश की अन्य देशों के साथ प्रतिस्पर्धा में आगे बढ़ने की प्रवृत्ति भी उसकी विदेश नीति के साथ उसकी चारित्रिक विशेषताओं का परिचय करवाती है। जैसा कि शीत युद्ध के समय भारत द्वारा गुट निरपेक्षता की नीति यह दिखाती है कि भारत एक शांतिप्रिय देश है वह साम्राज्यवाद का न तो समर्थक है न ही इसके पक्षकारों का। वस्तुतः भारत की प्रवृत्ति रही है

पाप से घृणा करो पापी से नहीं

अतः गुट निरपेक्ष नीति का अनुसरण

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

करते हुए भी भारत का अमेरिका एवं सोवियत संघ के साथ समान रूप से अच्छा संबंध रहा है।

खेल एक प्रकार की दुविधा भी है जिसमें कठिन परिस्थिति के समय हमें यह तय करना है कि हम उचित विकल्प की ओर जाते हैं या अनुचित। कोविड-19 के समय हमारे चिकित्सकों, पुलिस बल एवं अधिकारियों के समक्ष व्यक्तिगत स्वार्थ तथा परमार्थ का प्रश्न खड़ा होने पर चिकित्सकों द्वारा उसके इलाज में पीपीई किट पहनकर 24 घंटे खड़े रहना उनके कर्तव्यनिष्ठा के प्रति प्रेम का पता चलता है।

अभी हाल में एक इंटरव्यू में महेंद्र सिंह धोनी से पूछा गया कि खेल के मैदान में वे एकदम शांत कैसे रहते हैं उनका व्यक्तित्व कैप्टन कूल की भाँति कैसे नजर आता है तब उन्होंने जवाब देते हुए कहा कि खेल में उतरने से पहले परिणाम की चिंता नहीं करते बल्कि अपने

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

कर्तव्य का निर्वहन करते हैं जो उन्हें शांतिप्रिय खिलाड़ी के रूप में प्रदर्शित करती है।

क्या हार में क्या जीत में,
किञ्चित नहीं भयभीत मैं।
संघर्ष पथ पर जो मिले,
यह भी सही वह भी सही ॥

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

खण्ड-B

"जितना अधिक हम अन्वेषण करते हैं, उतना ही अधिक हमें पता चलता कि कितना अधिक अन्वेषण करना बाकी है।"

जैसा कि हमने अनुभव किया है जब बच्चा छोटा होता है तो उसे किसी भी वस्तु के स्वाद का ज्ञान नहीं होता, यदि उसे मिर्च का स्वाद चखाया जाए तो वह किसी अन्य वस्तु को खाने से पहले डरता है परन्तु यदि उसे मिठाई का स्वाद चखाएं तो वह अत्यंत उत्साह के साथ अन्य वस्तुओं का स्वाद लेना चाहता है। अर्थात अन्वेषण हमारे अनुभवों से संबंधित है कि हम उसको आगे करना चाहते हैं या नहीं।

सामान्यत: ऐसा देखा जाता है कि यदि हमें ज्ञात होता है किसी विषय, वस्तु की खोज करने से हमें अत्यंत खुशी होने वाली है या ज्ञान प्राप्त होगा जिसका हम वर्तमान या भविष्य के जीवन में उपयोग कर सकते हैं तो अन्वेषण करने की जिज्ञासा असीम होती है वहीं ऐसा न होने पर अन्वेषण सीमित हो जाता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

अन्वेषण का संबंध खोज, जानकारी, अनुसंधान या विकास से लिया जा सकता है। खोज किसी विषय का पता लगाना, जानकारी उसके बारे में ज्ञान प्राप्ति, अनुसंधान विषय के गहन अध्ययन तथा विकास का संबंध ज्ञान को क्रमबद्ध रूप में व्यवस्थित करने से है।

किसी की रुचि यदि धार्मिक स्थलों में है तो वह एक धार्मिक स्थल पर जाने के पश्चात पाता है कि ऐसे अनेक धार्मिक स्थल देश-विदेश में विद्यमान हैं।

ऐतिहासिक रूप में यदि देखा जाए तो जब तक हमें वैदिक काल तक का ज्ञान था तब तक हम जानना चाहते थे कि वैदिक काल के पूर्व कौन सी सभ्यता थी हमारा इतिहास कितना प्राचीन रहा है 1921 में हड़प्पा स्थल की खोज होने से जहाँ एक ओर यह पता चला कि हमारा इतिहास 2500 वर्ष पुराना है वहीं हड़प्पा की राजनीतिक प्रणाली, उनका दर्शन,

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उनकी लिपि जैसे प्रश्न अभी भी अनुसंधान के विषय हैं।

बुद्ध को ज्ञान प्राप्ति के पूर्व जीवन के विभिन्न अवस्थाओं की जानकारी नहीं थी जब उन्हें पता चला कि चाहे वह वृद्ध, हो, रोगी हो या मृत प्रत्येक व्यक्ति दुखी है तथा संन्यासी बना व्यक्ति प्रसन्न है तब उन्हें लगा कि यह खोज की जाए कि जिसके पास कोई वस्तु स्वयं की नहीं है वह इतना प्रसन्न कैसे है? इस प्रश्न का उत्तर ढूंढने के क्रम में ~~उनकी~~ जिज्ञासा बढ़ी कि वास्तव में वह कौन सा ज्ञान है जिसकी खोज करना बाकी है;

जब कोई शोधकर्ता किसी विषय विशेष पर खोज करते हैं तो उन्हें आश्चर्यजनक परिणाम मिलते हैं तथा यह जानकारी भी, कि यह मात्र प्रारंभ है जैसा कि हाल ही में जम्मू-कश्मीर से लीथियम के भंडार मिलने से भारत के संसाधन समृद्ध होने का पता चला, साथ ही यह शोध का विषय बन गया कि अन्य कौन से ऐसे दुर्लभ मृदा तत्व हो सकते हैं या किन स्थानों पर ऐसे दुर्लभ तत्व मिल सकते हैं?

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

हमने कोयले के प्रयोग से विद्युत बनाना सीखा साथ ही यह खोज का विषय बना कि कोयला तो सीमित अनवीकरणीय संसाधन है यदि यह समाप्त हुआ तो विद्युत उत्पादन का स्रोत क्या होगा ?

अनुसंधान एवं विकास के क्रम में जहाँ हम चंद्रमा पर गए वहीं हमारे लिए यह जिज्ञासा का विषय बना कि पृथ्वी के बाहर का सौरमंडल कैसा है, ग्रहों पर जीवन की दशाएँ हैं अथवा नहीं। क्या किन्ही तकनीकों को ग्रहों पर पहुंचाना संभव है या नहीं ? तत्पश्चात मंगलयान जैसे अभियान भेजे गए और पता लगाया गया कि मंगल ग्रह की संरचना कैसी है ? वहाँ की प्राकृतिक दशाएँ कैसी हैं। इन उपलब्धियों के बावजूद अनेक मिशन अन्य ग्रहों के अध्ययन हेतु भेजे जा रहे हैं कि क्या अन्य ग्रहों पर पहुंचा जा सकता है, उन पर जीवन की दशाएँ हैं या नहीं। जैसे — शुक्रयान,

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

drishti | दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

हमने जैविक विकास का अध्ययन कर यह पाया कि जीवन का विस्तार समुद्र एवं स्थल पर कैसे हुआ, उनके अवशेषों का अध्ययन कर उनके विकास क्रम का पता लगाया गया, वहीं हमारे लिए उनकी विलुप्ति, उनके संकटग्रस्त होने के कारणों की खोज करना आवश्यक हो गया।

जीव विज्ञान के क्षेत्र में कोशिका की खोज एक व्यापक परिवर्तन माना जाता है परन्तु इसकी खोज से कुछ प्रश्न उभर कर सामने आए जैसे - इसकी कार्यप्रणाली, इसके भाग, व उनकी संरचनाएँ अनुसंधान का विषय बने तत्पश्चात डीएनए व आरएनए की खोज हुई जिससे ज्ञान का स्तर तो बढ़ा साथ ही डीएनए व आरएनए की जैविक विकास में भूमिका पर खोज शुरू हुआ, इनके वंशानुगति में योगदान की जानकारी होने से इनके परिवर्तन, जीन अभियांत्रिकी जैसे क्षेत्र उभर कर सामने आए।

वहीं यदि देखा जाए तो जब यूरोप में पुनर्जागरण हुआ, नए मार्गों, अनुसंधानों, आधुनिक विचारों पर बल दिया जाने लगा तब देखा गया कि अन्य

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

महाद्वीपों पर जाने के समुद्री मार्ग भी हो सकते हैं सही क्रम में कहा जाता है कि भारत की खोज के क्रम में कोलंबस ने अमेरिका की खोज कर दी अर्थात जैसे - जैसे किसी विषय, स्थान, विचार पर खोज प्रारंभ हुई उस संदर्भ में अनुसंधान के नए आयाम सामने आए।

जैसा कि कथन है कि

The sky is not the limit

अर्थात ज्ञान की कोई सीमा नहीं है जिस प्रकार आकाश का विस्तार असीम है हमें बस अपने सामने जो है वही दिखाई देता है वैसे ही उसी प्रकार ज्ञान विकास क्रम की एक ऐसी विधि है जितनी प्राप्त होती है उतनी ही अधूरी प्रतीत होती है। वस्तुतः हमें जितना ज्ञान होता जाता है उतना ही इस बात की जानकारी होती जाती है कि हमें कितना अधिक और जानने की जरूरत है?

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

शासन के संदर्भ में धर्मतंत्र के बाद जब राज्यतंत्र की प्रणाली सामने आई तब इसके अन्य स्वरूपों की खोज की जाने लगी तथा विकास क्रम में यह जानकारी हुई कि लोकतंत्र सर्वाधिक अच्छी प्रणाली है परन्तु इसके बाद भी यह क्रम निरंतर जारी है कि लोकतंत्र अपनाए जाने के बावजूद इसका कल्याणकारी समाजवादी स्वरूप प्रगतिशील है अथवा पूंजीवादी।

जैसा कि 19 वीं शताब्दी आते - आते भारतीय मध्यवर्ग को ज्ञात हुआ कि सती प्रथा, पर्दा प्रथा, बाल विवाह जैसी प्रथाएँ पितृसत्तात्मक समाज के शोषणकारी स्वरूप को उजागर करती हैं वहीं यह तर्क उभर कर सामने आने लगे कि प्राचीन काल से अभी तक ये कुप्रथाएँ क्यों समाज में स्वीकृत रहीं।

जैसे - जैसे हम गांधी के मूल्यों को समझने का प्रयास करते हैं तो यह बात सलकती है कि उन्होंने अपने अनुभवों से क्या सीखा जैसा कि दक्षिण अफ्रीका में उन्होंने

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

जो प्रयोग किए थे वह प्रयोग सफल होने पर उन्होंने वैसा ही मार्ग भारतीय स्वतंत्रता आन्दोलन में अपनाया परन्तु उस समय उनको सांप्रदायिकता जैसी चुनौती का सामना करना पड़ा तब यह यह **प्रश्न** हुआ कि स्वतंत्रता आंदोलन को सांप्रदायिक मोड़ लेने से कैसे रोका जाए।

ऐसा कहा जाता है कि

आवश्यकता खोज की जननी है।

वस्तुतः विश्वयुद्ध के समय मानव श्रम की कमी होने पर जब उद्योगों में मानवीय प्रतिस्थापन की आवश्यकता हुई तब मानव श्रम के प्रतिस्थापन के रूप में मशीनों की खोज हुई। इन मशीनों की खोज ने भविष्य में नए तकनीकों की खोज को प्रोत्साहित किया जो वर्तमान में रोबोटिक्स जैसी तकनीक का आधार बने। इतना ही नहीं वर्तमान में यह शोध का विषय बना हुआ है कि रोबोटिक्स को उद्योगों के अलावा चिकित्सा, घरेलू कार्यों में कैसे प्रयोग किया जा सकता है।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

एक कथानक के अनुसार, जब तुलसीदास पत्नी प्रेम में आधी रात को नदी पार कर उसके मायके पहुंचते हैं तो पत्नी द्वारा उनकी भर्त्सना किए जाने पर उन्हें प्रेम के मार्ग की जगह राम के मार्ग का पता चलता है तब उन्हें यह ज्ञान होता है कि जिस प्रेम की ओर वे जा रहे थे राम नाम उससे भी कहीं अधिक प्रभावशाली है इससे उनके राम नाम के प्रति अन्वेषण या जिज्ञासा का भाव बढ़ता है।

वस्तुतः हमारे द्वारा नित नए विचारों, प्रणालियों, तकनीकों की खोज हो रही है उनके लाभ होने के साथ-साथ उनमें आने वाली चुनौतियाँ आगे की खोज का मार्ग प्रदान कर रही हैं जैसे- कंप्यूटर की खोज के बाद, बड़े आंकड़ों के संग्रहण की खोज के लिए सुपरकंप्यूटर की खोज।

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।

(Candidate must not write on this margin)

www.drishtiias.com
Contact: 8750187501, 8448485517
Copyright – Drishti The Vision Foundation